News सिटी चीफ
वर्ष–15, अंक–117
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
जो लोग मन में उतरते हैं उन्हें संभाल कर रखिए, और जो मन से उतरते हैं उनसे संभल कर रहिए।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, गुरुवार 01 अगस्त 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में अब ONLINE आर्डर करिये बालू

घर पहुंच जायेगा ट्रक , पैसे भी कम लगेंगे

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

पटना, बिहार में पिछले 10–15 सालों से बालू के नाम पर कई तरह के खेल हुए हैं. हालत ये है कि घर बनाने चले व्यक्ति को बालू खरीदना सोना खरीदने के बराबर बन गया है. लेकिन अब राज्य सरकार ने नई व्यवस्था लागू कर दी है. अब बालू के लिए ऑनलाइन आर्डर करिये. घर बैठे ट्रक या ट्रैक्टर पहुंच जायेगा. रेट भी कम लगेगा.

बिहार के डिप्टी सीएम और खनन मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को सरल और पारदर्शी तरीके से बालू, गिट्टी और दूसरे लघु खनिज उपलब्ध कराने के लिए नयी व्यवस्था लागू की जा रही है. अब बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार ने बालू मित्र पोर्टल विकसित करना शुरू कर दिया है. इस पोर्टल के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे ही बालू की ऑनलाईन खरीद कर सकता है. बालू की खरीद के बाद उसकी होम डिलीवरी भी सुनिश्चित होगी.

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि बालू मित्र पोर्टल को संचालित करने के लिए राज्य सरकार ने बिहार स्टेट माईनिंग कॉरपोरेशन लि0 को प्राधिकृत किया है. बालू मित्र पोर्टल पर सभी बालूघाट बंदोबस्तधारी और बालू बेचने का लाइसेंस लेने वाले निबंधित रहेंगे. उनके द्वारा बालू का रेट पोर्टल पर डाला जायेगा. सारे लोगों के रेट की तुलना कर खरीददार अपनी पसंद से बालू आनलाईन ऑर्डर कर सकेंगे. खरीदे गये बालू की होम डिलेवरी हो सके इसके लिए ट्रांसपोर्टरों का भी निबंधन होगा. वे वाहन के प्रकार के हिसाब से प्रति कि0मी0 परिवहन किराया बालू मित्र पोर्टल पर दिखायेंगे.

बालू मित्र पोर्टल पर ग्राहकों द्वारा अपनी जरूरत के अनुसार अपना नाम, पता और बालू के प्रकार के साथ सोथ उसकी मात्रा का विवरण प्रविष्ट कर हृझक्क के माध्यम से सत्यापन करायेंगे और फिर आर्डर बुक किया जायेगा. ग्राहक बालू की खरीद सीधे संचालित बालूघाटों या भंडारण करने वाले लाइसेंसी कारोबारियों से कर सकते हैं. ग्राहकों को उचित मूल्य पर बालू उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऑनलाईन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. इस पोर्टल के लागू होने से कम दाम पर बालू उपलब्ध होगा.

वहीं, बालू के ट्रांसपोर्टेशन के लिए वाहन मालिक भी स्वयं अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन बालू मित्र पोर्टल पर करा सकेंगे. इसके लिए वाहन, वाहन मालिक और चालक से सबंधित सूचना देकर *OTP* के माध्यम से सत्यापित करायेंगे. ऑर्डर कन्फर्म होने के बाद ग्राहक को वाहन निबंधन संख्या, वाहन मालिक और चालक का नाम–माबाईल नंबर स्र्स के माध्यम से सूचित किया जायेगा.

सही विक्रेता और ट्रांसपोर्टर के चयन के बाद ऑनलाईन भुगतान करके बालू की आपूर्ति के लिए आदेश दिया जायेगा. फिर बालू की होम डिलेवरी की जाएगी. ये पूरी प्रक्रिया विभाग के क्र्स्ट्ररु द्वारा संचालित करायी जायेगी. ग्राहक तक पहुंचने की अवधि तक उक्त वाहनों के आवागमन की मॉनिटरिंग *GPS* एवं *Vehicle Location Tracking System* के माध्यम से की जाएगी. ग्राहक स्वयं भी उक्त वाहन के *Movement* को *Track* कर सकेंगे. इससे उनके द्वारा ऑर्डर दिया गया बालू ही उन्हें प्राप्त होगा.

आम जनता से धोखाधड़ी की संभावना को समाप्त करने के उद्देश्य से ऑडर को रिर्टन / कैंसिल करन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी और भुगतान की राशि वापस करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. उप मुख्य मंत्री ने बताया कि इस पोर्टल को विकसित करने के लिए बिहार स्टट माईनिंग कॉरपोरेशन लि0 ने प्रतिष्ठित कंपनिया के चयन के लिए निविदा आमंत्रित कर दी है. एजेंसी के चयन के बाद अगले दो माह में पुरी व्यवस्था लागू की जाएगी. इस पोर्टल के अतिरिक्त आमजनो, ट्रांसपोर्टस आदि की सहूलियत के लिए मोबाईल एप भी विकसित किया जायेगा.

पिता की जगह पति ने किया कन्यादान
बॉयफ्रेंड से कराई पत्नी की शादी

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

लखीसराय, बिहार के लखीसराय में एक अजीबो–गरीब मामला सामने आया है। जहां पिता की जगह एक पति ने ही कन्यादान कर दिया। उसने अपनी पत्नी की शादी उसके बॉयफ्रेंड से करवा दी। पति ने खुद अपनी पत्नी का हाथ प्रेमी के हाथों में सौंप दिया। प्रेमिका से शादी होने से प्रेमी काफी खुश था उसका कहना था कि मुझे मेरा बचपन का प्यार मिल गया। वही दो साल के बच्चे से अलग होने का गम प्रेमिका को था वही दूसरी ओर प्रेमी से मिलने की खुशी भी थी। महिला का कहना था कि दोनों बचपन से ही एक दूसरे के साथ प्यार करते थे। लेकिन दोनों के प्यार के दुश्मन परिवार वाले थे और उन्होंने दूसरे लड़के से शादी करवा दी थी। शादी के बाद भी दोनों प्रेमी–प्रेमिका के बीच प्यार कम नहीं हुआ। शादी के बाद भी दोनों का अफेयर चलता रहा। 3 साल पहले महिला की शादी हुई थी तब भी सुहागरात के दिन वो अपने प्रेमी के साथ मोबाइल पर व्यस्त थी और आज भी दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती रहती है। कभी–कभी दोनों के बीच मुलाकात भी होती थी। शादी से पहले प्रेमी से अलग हुए लेकिन आज पति की वजह से दोनों फिर एक हो गये हैं।

मामला लखीसराय के अमहरा थाना इलाके के रामनगर गांव का है जहां 3 साल पहले 26 वर्षीय राजेश के साथ 22 वर्षीय खुशबू की शादी हुई थी। खुशबू शादी से पहले 24 साल के चंदन से बेइंतहा प्यार करती थी। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे लेकिन इनके बीच परिवार वाले दीवार की तरह खड़ा हो गये। परिजनों के दवाब में आकर खुशबू ने राजेश से शादी तो कर दी ली उसका दिल चंदन के पास था। वो घंटों चंदन से फोन पर बातें करती कभी–कभी तो दोनों की मुलाकात भी होती थी। लेकिन इन सब बातों से पति अंजान था। सुहागरात के दिन भी वो अपने प्रेमी से घंटों बातचीत करती रही लेकिन पति को पता नहीं चला। शादी के पहले और शादी के बाद से दोनों का अफेयर था लेकिन जब पति को इस बात का पता चला तब तक खुशबू एक बच्चे को जन्म दे चुकी थी। 30 जुलाई की देर रात चंदन अपनी प्रेमिका खुशबू से मिलने उसके घर पहुंच गया था तभी खुशबू के पति राजेश और उसके परिवार के सदस्यों ने वालों दोनों को मिलते पकड़ लिया। जिसके बाद ही राजेश ने गांव के लोगों के सामने ही चंदन से पत्नी खुशबू की शादी करवा दी। प्रेमी से शादी करवाने से पहले खुशबू इस बात को राजी हुई कि दो साल का बच्चा उसके पास नहीं बल्कि अपने पिता के पास रहेगा और पति की संपत्ति पर भी उसका कोई अधिकार नहीं होगा। खुशबू ने यह बात लिखित रूप से कही है। जिसके बाद पति ने अपनी पत्नी का हाथ उसके प्रेमी के हवाले किया और दोनों की शादी करवाई गयी। खुद पति ने ही पत्नी का कन्यादान किया। शादी के बाद राजेश ने अपनी पत्नी को विदा भी किया।

पॉक्सो एक्ट मामले में मुंगेर कोर्ट का फैसला
आरोपित को आजीवन कारावास की सजा
पीड़िता को 3 लाख रूपये देने का आदेश

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

मुंगेर, मुंगेर व्यवहार न्यायालय के विशेष न्यायाधीश प्रदीप कुमार चौधरी ने पॉक्सो एक्ट के तहत हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के मूढ़हरी निवासी कुन्दन कुमार को अंतिम सांस तक करावास के साथ विभिन्न धाराओं के तहत आर्थिक दण्ड के साथ पीड़िता को 3 लाख रूपए बतौर मुआवजा देने कि सजा सुनाई।

मुंगेर मे व्यवहार न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठ सह विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रदीप कुमार चौधरी ने खड़गपुर थाना कांड संख्या 216/20 तथा पाक्सो केस संख्या 84/20 में सजा के बिन्दू पर सुनवाई की। अभियुक्त कुंदन सिंह को पाक्सो एक्ट की धारा 4/6 तथा आईपीसी की धारा 376, 364 ए, 363, 366 ए में दोषी करार देते हुए अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई साथ ही पीड़िता को 03 लाख रुपया मुआवजा का आदेश दिया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से स्पेशल पीपी पाक्सो एक्ट प्रीतम कुमार वैश्य ने बहस में भाग लिया। जानकारी के अनुसार खड़गपुर मुंडेरी निवासी सूचक ने खड़गपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि 19 अगस्त 20 की शाम 6 बजे उसकी पुत्री जब बाजार गई थी, तभी रास्ते में गांव का ही अभियुक्त कुंदन सिंह उसकी पुत्री को बाइक पर बिठा कर भगा ले गया।

कुंदन कुछ दिन अपने कजरा स्थित ससुराल में लड़की को रखने के पश्चात उड़ीसा लेगाया उसके बाद भुवनेश्वर ले गया। कुंदन ने पीड़िता द्वारा उसके पिता को फोन करवा कर 50 हजार रुपए की मांग की। इसके बाद दोनों कजरा अरमा आ गए। कजरा अरमा से पुलिस ने पीड़िता को बरामद कर लिया लेकिन अभियुक्त फरार हो गया। बाद में 10 अगस्त 21 को अभियुक्त कुंदन सिंह ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया, तब से वह जेल में बंद है। इसी बीच पुलिस ने 24 अगस्त 21 को कुंदन सिंह और उसके माता पिता सहित 3 लोगों के विरूद्ध चार्जशीट दाखिल किया। मामले में गवाहों की सुनवाई के पश्चात कोर्ट द्वारा 19 जुलाई 24 को कुंदन सिंह को दोषी करार दिया गया। जबकि ट्रायल के दौरान कोर्ट उसके माता पिता को दोष मुक्त कर दिया । सजा के बिंदू पर सुनवाई हुई जिसमें अंतिम सांस तक कुंदन सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई साथ ही पीड़िता को 03 लाख रुपया मुआवजा का आदेश दिया गया।

रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान अचानक खराब हो गयी जेसीबी, पटना से गया जा रही थी पैसेंजर ट्रेन, फिर क्या हुआ जानिये?
बिहार में बड़ा रेल हादसा होते-होते बचा

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

जहानाबाद, पिछले कुछ दिनों से लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। इसे लेकर केंद्र सरकार की काफी किरकिरी हो रही है। विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। इसे लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफे की मांग की जा रही है। इसी बीच बिहार के जहानाबाद में आज फिर बड़ा ट्रेन हादसा होते–होते बचा। पटना से गया जा रही पैसेंजर ट्रेन के सामने अचानक जेसीबी आ गयी। फिर क्या हुआ जानिये?

दरअसल पटना–गया रेल खंड पर मखदुमपुर स्टेशन के वाणावर हाल्ट के पास रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान एक जेसीबी अचानक खराब हो गयी और बीच ट्रैक पर जाकर फंस गयी। उधर पटना से गया जाने वाली पैसेंजर ट्रेन आ रही थी। इस दौरान हाल्ट के पास अफरा–तफरी मच गयी। इस दौरान लोगों ने समझदारी से काम लिया। लोगों ने ट्रेन के ड्राइवर को लाल कपड़ा दिखाया। लाल कपड़े पर नजर पड़ते ही ड्राइवर ने ट्रेन में ब्रेक लगाई और जेसीबी से टकराने से पहले ही ट्रेन को काफी मशक्कत के बाद रोका गया। ट्रेन के रूकने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। ट्रेन के रुकने के बाद भी जेसीबी घंटों रेलवे ट्रैक के बीचों बीच फंसी रही। फिर दूसरी जेसीबी को मंगवाया गया और रेलवे ट्रैक के बीच फंसी जेसीबी को वहां से निकाला गया।

लोगों ने बताया कि इस दौरान पटना–गया रेलखंड पर अप और डाउन दोनों ट्रैकों पर जेसीबी फंसी रही। गया से पटना जाने वाली ट्रेन को तो दूसरे स्टेशन पर रोक दिया गया पर वही पटना से गया जाने वाली ट्रेन बिल्कुल जेसीबी के समीप आ गई गनीमत यह रही की दूसरे ट्रैक पर आ रही ट्रेन को वहां मौजूद यात्रियों के सूझबूझ से लाल कपड़े दिखाकर किसी तरह से ट्रेन को रुकवाया। जिससे कई यात्रियों की जान बच पाई। इस कारण पटना गया रेलवे ट्रैक पर करीब एक घंटे तक परिचालन बाधित रहा। पटना से आने वाले पैसेंजर इस बात से काफी गुस्सा थे कि जेसीबी को ट्रैक से हटाने में एक घंटा से ज्यादा समय लगा। जिसके कारण वो गया स्टेशन समय पर नहीं पहुंच पाएंगे।

पानी के बीच फंसे पिकनिक मना रहे लोग, नहीं छोड़ा एक दूसरे का हाथ
वाटरफॉल में अचानक आई बाढ़

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

रोहतास, खबर रोहतास जिला से आ रही है जहां अमझोर इलाके में कैमूर पहाड़ी से निकलने वाले कशिश वॉटरफॉल में अचानक पानी का बहाव तेज हो जाने के कारण वाटरफॉल के दूसरी ओर पिकनिक मनाने आए कई लोग फंस गए। लेकिन एक दूसरे का लोगों ने हाथ नहीं छोड़ा और किसी तरह से पानी के धार के बीच से वे बाहर निकले। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। लोगों का कहना था कि किस्मत अच्छी थी कि जान बच गयी।

सासाराम के अमझोर में कैमूर पहाड़ी क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होने के कारण अचानक कशिस वॉटरफॉल में पानी का बहाव तेज हो गया। जिसके बाद बहुत से लोग वाटरफॉल के दूसरे तरफ फस गए। पानी का बहाव बढ़ता हुआ देख वाटरफॉल के दूसरी और फंसे लोग परेशान हो गए। लेकिन बाद में सभी ने हिम्मत दिखाई और एक दूसरे का हाथ पकड़ कर बाहर निकले। बता दें कि कशिश वॉटरफॉल सुदूरवर्ती इलाके में है और मानसून में यहां खूबसूरत झरना निकलता है। लेकिन कैमूर पहाड़ी पर अधिक बारिश होने के कारण कभी–कभी इस वॉटरफॉल का रूप रौद्र हो जाता है। आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। आप तस्वीरों में साफ देख सकते हैं कि किस प्रकार पानी के तेज धार में लोग निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अंततः सभी लोग एक दूसरे का हाथ पकड़ कर पानी से निकल गए। बताया जाता है कि 35 से अधिक लोग वॉटरफॉल के दूसरी ओर फस गए थे। लेकिन एक दूसरे के हाथ पकड़ कर सभी बाहर निकल गए।

2 होमगार्ड जवान सहित 8 अपराधी गिरफ्तार
बिहार पुलिस की वर्दी पहनकर लूट की वारदात को देते थे अंजाम

चन्दन कुमार चौबे ।सिटी चीफ

जमुई, जमुई में बिहार पुलिस की वर्दी पहनकर लूट की घटना को अंजाम देने वाले 2 होमगार्ड जवान सहित 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से एक लाख कैश, स्कॉर्पियो और 9 मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को जेल भेजा गया है।

जमुई पुलिस ने बरहट थाना क्षेत्र इलाके में लूट और डकैती की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी खाकी वर्दी पहनकर पुलिस का रौब दिखाकर लूटपाट करता था और डकैती की घटना को अंजाम देता था। बरहट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों में नरेश कुमार साव,पवन कुमार मिश्रा, राकेश कुमार मिश्रा,अजय कुमार मिश्रा, रंजीत कुमार, धनंजय कुमार नंद कुमार और उमेश

कुमार शामिल है। सभी लखीसराय और मुंगेर जिले के हैं। एडीपीओ सतीश सुमन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पूछताछ में प्रारंभिक जानकारी में यह एक संगठित गिरोह है। जो जमुई,लखीसराय, क्यूल,मुंगेर में भोले वाले लोगों को टावर लगाने, नकली नोट के बदले पैसा डबल करने,नकली सोना का सिक्का देने के बहाने बुलाते हैं और मारपीट कर लूट की घटना को अंजाम देते थे। एसडीपीओ ने बताया कि मंगलवार की शाम बरहट पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बरहट थाना क्षेत्र के नुमर गांव निवासी सिकंदर कुमार नाम के व्यक्ति के साथ दो लोगों ने टावर लगाने के नाम पर मिलने के लिए बरहट थाना क्षेत्र के बाबा ढाबा के पास 60 हजार रुपये लेकर लेकर था। जहां 7 से 8 की संख्या में एक स्कॉर्पियो से पुलिस की वर्दी में आए लोगों के द्वारा उनके साथ मारपीट कर पैसा लूट लिया गया।

पीड़ित की सूचना पर बरहट पुलिस के द्वारा सभी अपराधियों का पीछा किया गया। सभी अपराधियों को पकड़ने के लिए जगह–जगह नाकेबंदी की गयी। जिसके बाद अपराधियों को पकड़ा गया। एसडीपीओ ने बताया कि अभी तक जो जानकारी मिली है उसमें पकड़े गए दो लोग होमगार्ड के जवान हैं। जिसमे मुंगेर निवासी नंद कुमार हाल में ही होमगार्ड के पद से रिटायर हुआ है, वही उमेश कुमार होमगार्ड का जवान है। पुलिस ने बताया की बाकी उनके सभी साथी फर्जी वर्दी, और पुलिस का फर्जी नेम प्लेट लगाकर घटना को अंजाम दिया करता था। वही पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड नरेश कुमार साव है जो धनबाद में कपड़े का व्यवसाय करता था। वहां भी इसी तरह वो लोगों को लूटता था। फिर अपने गृह जिला में एक गिरोह बनाकर जाली नोट, नकली सोने के सिक्के सहित टावर लगाने के नाम पर लोगों को ठगने का काम शुरू कर दिया। बताया जाता है कि इसने मुंगेर, लखीसराय, क्यूल में लूट की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। नरेश कुमार साह पर पहले से भी मुंगेर के कोतवाली थाने में जाली नोट बदलने का मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।